भारत सरकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्याः 4776
उत्तर देने की तारीखः 23.03.2020

छात्रों के लिए पाठ्यक्रम संबंधी कार्यकलाप

†4776. श्री अनंतकुमार हेगड़ेः

क्या **मानव संसाधन विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने सरकारी विद्यालयों को छात्रों की रुचि के आधार पर उनके कौशल विकास के लिए कुछ पाठ्येत्तर कार्यकलाप विकसित करने के लिए निदेश दिए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ख) क्या सरकार ने विद्यालयों के शैक्षणिक पाठ्यक्रम को सैद्धांतिक से व्यवहारिक बनाया है या बनाने की योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
मानव संसाधन विकास मंत्री
(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')

(क): राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) द्वारा विकसित राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ), 2005 जो सभी स्कूल स्तरों पर पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों को तैयार करने के लिए दिशानिर्देश और निदेश निर्धारित करती है, में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि स्कूलों में आयोजित सभी कार्यकलापों को पाठ्यक्रम कार्यकलापों के रूप में देखा जाना चाहिए। इसमें कला शिक्षा, कार्य और शिक्षा, स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा को पाठ्यक्रम कार्यकलापों की परिधि में शामिल किए जाने की सिफारिश भी की गई है। तथापि, शिक्षा का संविधान की समवर्ती सूची में एक विषय होने के कारण और अधिकांश स्कूलों के राज्य सरकारों के क्षेत्राधिकार में होने के कारण, संबंधित राज्य सरकार का दायित्व है कि वह इस संबंध में समुचित कार्रवाई करे। जहां तक केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) संबद्ध स्कूलों का संबंध है, बोर्ड ने कला शिक्षा, कार्य शिक्षा और स्वास्थ्य तथा शारीरिक शिक्षा को पाठ्यक्रम का अनिवार्य भाग बनाया है। इन क्षेत्रों में शिल्प, कार्य और कार्रवाई के जरिए सामाजिक सशक्तिकरण (सेवा), स्वास्थ्य और खेलकूद शामिल हैं, जिनमें कौशल, सौंदर्यशास्त्र, सृजनात्मकता, संसाधन कुशलता और टीम वर्क के विकास के लिए व्यावहारिक बुद्धिमत्ता और क्षमता होती है।

(ख): राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ), 2005 ने अपने एक मार्गदर्शी सिद्धांत में स्पष्ट रूप से स्कूल के ज्ञान को स्कूलों से बाहर के जीवन से जोड़ने की संस्तुति की है। यह सिद्धांत प्रायोगिक अधिगम की ओर ले जाता है जिसमें बच्चे स्कूल के ज्ञान के साथ स्वयं के अनुभवों के

माध्यम से सीखते हैं। एनसीईआरटी कक्षा-**VI** से **VIII** में अध्ययनरत बच्चों के पूर्व-व्यावसायिक शिक्षा कौशलों को भी प्रोत्साहित कर रहा है, जिसमें प्रैक्टिकल और कार्यकलापों को विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, गणित और भाषा जैसे विषय क्षेत्रों के साथ एकीकृत किया गया है। विभिन्न कक्षाओं की एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकें बच्चों को शिक्षण-कक्ष में आसान कार्यकलापों के माध्यम से विषयों का अभ्यास करने का अवसर प्रदान करती हैं।

******